हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 107 देहरादून, बृहस्पतिवार, 13 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उत्तराखंड आ सकते हैं पीएम मोदी, जवानों संग दीवाली मनाने की संभावना तेज़ 3

पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है भारत : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी के कुशल मार्गदर्शन में जिस प्रकार से आज देश भर में टूरिज्म आगे बढ़ रहा है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

ये प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने बालाजी फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में बुद्धवार को स्वदेश टूरिज्म कांक्लेव में प्रतिभाग करते हुए अपने सम्बोधन में कही। इस आयोजन में उत्तराखण्ड सहित गोवा, राजस्थान, मणिपुर आदि राज्यों ने प्रतिभाग किया। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने स्वदेश टूरिज्म कांक्लेव के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी के कुशल मार्गदर्शन में जिस प्रकार से आज देश भर में टूरिज्म आगे बढ़ रहा है उसकी जितनी प्रसंशा की जाए कम है। देश ही नहीं विश्व के पर्यटक भी आज बहुत बड़ी संख्या में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

महाराज ने कहा कि यदि हम उत्तराखंड की बात करें तो वहाँ भी बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। पिछले कई सालों की तुलना में इस साल उत्तराखंड में पर्यटकों की तादात काफी बड़ी है। देवभूमि उत्तराखंड जहाँ आध्यात्म के साथ-साथ योग और पर्यटन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, वहीं साहसिक पर्यटन में भी वह अपनी एक विशिष्ट पहचान पूरे विश्व में बना रहा है। मसूरी, नैनीताल, देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी, चंपावत, हर्षिल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और चमोली में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

उन्होने कहा कि इस वर्ष बदरीनाथ में 1514714 (पंद्रह लाख चौदह हजार सात सौ चौदह) केदारनाथ में 1425075 (चौदह लाख पच्चीस हजार पिच्चतर) यमनोत्री में 473395 (चार लाख तिहत्तर हजार तीन सौ पिचान्वे) गंगोत्री में 600140 (छहः लाख एक सौ चालीस) और हेमकुण्ड साहब में 190264 (एक लाख नब्बे हजार दो सौ चौसठ यात्री आ चुके हैं। हेमकुण्ड सहित चारधाम की यात्रा पर अब तक कुल 4203588 (बयालीस लाख तीन हजार पांच सौ अठासी) से भी अधिक श्रृद्धालु आ चुके हैं जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। बालाजी फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वदेश टूरिज्म कांक्लेव को सम्बोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमने वैष्णव, शैव, शाक्त, विवेकानंद, नरसिंह, नवग्रह, गोलज्यू, महासू देवता, गुरुद्वारा और हनुमान सर्किट बनाए हैं। त्रिजुगीनारायण को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

महाराज ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार के प्रयासों के बाद नीति घाटी में इनर लाइन में छूट देते हुए बाबा अमरनाथ की तर्ज पर यहाँ स्थित टिम्मरसैण महादेव की यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं। शीतकालीन टूरिज्म को बढावा देने के लिए भी हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट जब शीतकाल के लिए बंद हो जाते हैं। मां यमुना की उत्सव डोली ₹खरसाली" और मां गंगा की डोली ₹मुखवा गाँव में आ जाती है। अब शीतकालीन प्रवास के दौरान श्रृद्धालू खरसाली में मां यमुना और मुखवा में मां गंगा के दर्शनों का लाभ उठा सकते हैं।इसी प्रकार राज्य सरकार नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने के लिए नई टिहरी झील और ऑली को साहसिक पर्यटन व ऋषिकेश को वैलनेस सिटी के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। प्रदेश में साहसिक खेलों की अपार संभावनाओं को देखते हुए सरकार की ओर से हर वर्ष एडवेंचरफेस्ट, गंगाक्याकिंग, नयारवैली एडवेंचर स्पोर्टस जैसे कई आयोजन कराये जा रहे हैं। नेलांग घाटी में स्थित गरतांग गली के पुनर्निर्माण के बाद इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश में पंडित दीनदयाल होमस्टे योजना चलाई जा रही है। होमस्टे के लिये अबतक 4453 (चार हजार चार सौ तिरेपन) पंजीकरण किये जा चुके हैं। स्वदेश टूरिज्म कांक्लेव के अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह एवं गोवा के पर्यटन मंत्री सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

ये हैं धामी कैबिनेट के बड़े फैसले, 6 थाने और 20 चौकी नई बनाई जाएंगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अक्टूबर। मुख्यमंत्री धामी ने मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक में जनहित में कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बैठक में कैबिनेट द्वारा कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं. उत्तराखंड न्यायिक सेवा संशोधन नियमावली को कैबिनेट में मंजूरी दी गई है. न्यायिक पदों के नाम को लेकर बदलाव किया गया है. अंकिता भंडारी हत्याकांड के बाद राजस्व पुलिस के अस्तित्व पर उठे सवालों पर भी कैबिनेट में चर्चा हुई जिसके बाद फैसला लिया गया है कि राजस्व पुलिस को स्टेप बाई स्टेप तरीके से रेगुलर पुलिस में जोड़ा जाएगा.

कैबिनेट बैठक में लिए गए ये फैसले-

उत्तराखंड न्यायिक सेवा संशोधन नियमावली को कैबिनेट में मिली मंजूरी, न्यायिक पदों के नाम को लेकर बदलाव.बागवानी मिशन में एंटी हेलनेट योजना में 50 फीसदी और 25 फीसदी राज्य देगा.नैनीताल में टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा.अटल आवास योजना में धनराशि को पीएम योजना के बराबर देने की मंजूरी. आय लिमिटि को 38 हजार से बढ़कर 42 हजार किया गया.बाल संरक्षण आयोग के रिकमंडेशन से अब 30 दिन तक अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के परिवार से सम्पर्क करेगा.उत्तराखंड लॉजिस्टिक नीति 2022 को कैबिनेट में मिली मंजूरी.GST पंजीकृत व्यपारियों का बीमा 5 लाख से 10 लाख किया गया.उत्तराखंड में एक नई प्राइवेट यूनिवर्सिटी (रुड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) को हरिद्वार यूनिवर्सिटी नाम दिया गया.दिवाली DA और बोनस को लेकर मुख्यमंत्री को किया गया अधिकृत. कर्मिकों को आउट सोर्सिंग से सेवा योजना से कैसे लिया जाना है इसको लेकर सैद्धान्तिक सहमति मिली.मानव अधिकार आयोग की रिपोर्ट मंत्रिमंडल में लायी गयी.कूड़ा फेंकने और थूकने की सजा में कारावास को खत्म किया गया.केदारनाथ पुनर्निर्माण को लेकर पुरोहितों और स्थानीय लोगों के 53 भवन के ध्वस्तीकरण और दोबारा बनाने को लेकर नियमावाली तैयार.राजस्व पुलिस को चरणबद्ध तरीके से रेगुलर पुलिस में जोड़ा जाएगा. इसके लिए 6 थाने और 20 चौकी नई बनाई जाएंगी.पुलिस आरक्षी के 1750 प्रमोशन के पदों पर कैबिनेट से मंजूरी.महिला आरक्षण को लेकर लाया जाएगा अध्यादेश, कैबिनेट ने मुख्यमंत्री को किया अधीकृत.

मुख्यमंत्री ने किया सरस मेले में महिला स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार सरस मेले में प्रतिभागी महिला स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न प्रदेशों से आये स्वयं सहायता समूहों के प्रयासों की सराहना करते हुए सरस मेलों के आयोजन को ग्रामीण आर्थिकी एवं महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने वाला बताया। मुख्यमंत्री ने मेले में स्वयं सहायता समूहों के स्टॉलों का भ्रमण कर उनके द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन विभिन्न राज्यों के परम्परागत हस्तशिल्प एवं लोक कलाओं को प्रभावी मंच प्रदान करने के साथ उनके संरक्षण के लिये भी प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। इससे शिल्पियों, बुनकरों एवं कारीगरों को अपने उत्पादों के विपणन के लिये बाजार भी उपलब्ध कराने में भी मदद मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये महिला स्वयं सहायता समूहों को 05 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया है जिससे प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा तथा जहां बाजारों को उत्पाद मिलेंगे वहीं उत्पादकों को बाजार उपलब्ध होगा। प्रदेश में वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए भी इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास, सचिव बी.वी.आर.सी. पुरूषोतम, जिलाधिकारी सोनिका, मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान आदि उपस्थित थे।

बदलते मौसम में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ रहा है तो सर्दी में करें इन 3 सब्जियों का सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , यूरिक एसिड बॉडी में बनने वाले टॉक्सिन हैं जो हम सभी की बॉडी में बनते हैं। डाइट में प्यूरीन वाले फूड्स जैसे पनीर, राजमा, चावल, रेड मीट, हाई फ्रूक्टोज फूड, सी फूड जैसे सामन, झींगा मछली और सार्डिन जैसे फूड यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ा सकते हैं। यूरिक एसिड बढ़ने पर बॉडी में कई तरह की परेशानियां होने लगती है जैसे एड़ियों में दर्द, पिंडलियों में दर्द, घुटनों, जोड़ों में दर्द और जोड़ों में सूजन की परेशानी बेहद परेशान करती है। यूरिक एसिड का स्तर हाई होने पर डायबिटीज और किडनी की बीमारी का खतरा भी बढ़ सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और बिगड़ते खान-पान की वजह से पनपने वाली ये बीमारी एल्कोहल और दवाईयों का अधिक सेवन करने से भी होती है। जब बॉडी में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने लगता है और किडनी उसे ठीक से फिल्टर करके बॉडी से बाहर नहीं निकाल पाती तो कई क्रॉनिक बीमारियों जैसे डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। यूरिक एसिड बढ़ने पर वो जोड़ों में क्रिस्टल के रूप में जमा होने लगता है और गाउट रोग का कारण बनता है।

सर्दी में गाजर खाएं यूरिक एसिड कम होगा: सर्दी के मौसम में जोड़ों के दर्द से बचना चाहते हैं तो डाइट में गाजर का सेवन करें। गाजर का सेवन करने से यूरिक एसिड कंट्रोल रहेगा और बॉडी को भी कई तरह के फायदे पहुंचेंगे। एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर गाजर हड्डियों में होने वाले दर्द और सूजन के कंट्रोल करेगी। गाजर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में एन्जाइम्स का उत्पादन कम करते हैं जिससे यूरिक एसिड कंट्रोल रहता है।

मटर का करें सेवनः यूरिक एसिड के मरीजों को अक्सर डॉक्टर सलाह देते हैं कि डाइट में मटर का सेवन करें। प्रोटीन से भरपूर मटर का सेवन करने से यूरिक एसिड कंट्रोल रहता है। जिन फूड्स में 100 ग्राम की मात्रा में सिर्फ 100 मिली ग्राम तक प्यूरीन पाया जाता है, उसे कम प्यूरीन वाले फूड कहा जाता है। कुछ सब्जियां यूरिक एसिड की समस्या को कम करती हैं। इन सब्जियों में आप मटर का सेवन कर सकते हैं।

सर्दी में करें हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन : सर्दी के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों की बहार होती है। इस मौसम में मेथी, साग, बथुआ, सरसों जैसी हरी सब्जियां मौजूद होती हैं। ये सभी सब्जियां सर्दी में सेहत को फायदा पहुंचाती हैं। इनका सेवन करने से बॉडी में यूरिक एसिड का स्तर कंट्रोल रहता है। आप सर्दी में यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए मशरूम और बैंगन का भी सेवन कर सकते हैं।

वजन घटाने के लिए खाली पेट लहसुन खाएं लेकिन इन बातों का रखें ध्यान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खाली पेट लहसुन खाना वजन कम करने की सबसे पुरानी सलाह रही है, जो लोग वर्षों से देते आ रहे हैं। इस बात से कोई इंकार नहीं है कि उन अतिरिक्त किलो को कम करना एक बड़ा काम है और हर कोई कम समय में वजन कम करने के लिए अनुशासन बनाए नहीं रख सकता है। हालाँकि, यदि आप अपनी जीवन शैली में छोटे-छोटे बदलाव करते हैं, तो आप एक निश्चित अवधि में एक फिट शरीर प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल किलो वजन कम करने में मदद करता है बल्कि आपको स्वस्थ भी रखता है। कच्चे लहसुन की बात करें तो यह एक बड़ा इम्युनिटी बूस्टर है। यह आपकी नसों को आराम देने के अलावा वजन घटाने में भी मदद करता है।लहसुन में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो वजन कम करने में मदद करते हैं। हालांकि, इसका सेवन खाली पेट तभी करना चाहिए जब आपकी जीवनशैली अच्छी हो और नियमित कसरत के साथ स्वस्थ आहार लें। यह शरीर में एनर्जी बढ़ाने का भी काम करता है। इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं, जो आगे चलकर वजन घटाने में मदद करते हैं।

वजन कम करने में लहसुन कैसे मदद करता है?

सुबह खाली पेट लहसुन की कुछ क लि यां खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है क्योंकि यह शरीर में जमा चर्बी को घोलता है। लहसुन में मौजूद बूस्टिंग लेवल कैलोरी को तेजी से बर्न करने में मदद करता है। यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और किसी भी नक्काशी को कम करता है। इसके अलावा, यह आपकी भूख को नियंत्रण में रखने में मदद करता है और अधिक खाने से रोकता है। इसमें डिटॉक्सिफाइंग गुण भी होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें:

ज्यादा लहसुन खाने से बचें क्योंकि इससे पेट में जलन हो सकती है।2 गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स रोग वाले लोगों को लहसुन से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह नाराज़गी पैदा कर सकता है।3 लहसुन में मौजूद कुछ यौगिक छाती और पेट में जलन पैदा करते हैं।4 लहसुन कुछ लोगों में एलर्जी पैदा कर सकता है और इसके लक्षण हैं पित्ती, होठों या जीभ में झुनझुनी, डिकॉन्गेस्टेंट, बहती और खुजली वाली नाक, छींकने और आंखों में खुजली

भारत में कैपजेमिनी ने निकाली फ्रेशर्स, अनुभवी जॉब्स की नौकरियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैपजेमिनी, एक फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाएं और परामर्श, भारत में विभिन्न प्रोफाइल के लिए भर्ती कर रही है। पद पूरे भारत में खुले हैं और कंपनी उसी के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही है। कंपनी ने अपने वेबपेज पर कहा, क्या आप चुनौती लेने के लिए तैयार हैं? "हम अपने ग्राहकों को अधिक टिकाऊ, अधिक समावेशी भविष्य का निर्माण करते हुए बढ़ने में मदद कर रहे हैं, यह एक कठिन सवाल है। लेकिन जब आप कैपजेमिनी से जुड़ते हैं, तो आप एक संपन्न कंपनी में शामिल हो जाते हैं और स्वतंत्र विचारकों, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों के विविध वैश्विक समूह का हिस्सा बन जाते हैं, जो सभी संभावित चीजों की फिर से कल्पना करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।कैपजेमिनी इंडिया में विविध अवसर और नौकरी की भूमिकाएँ हैं जो किसी व्यक्ति की विशेषज्ञता के क्षेत्र को दर्शाती हैं।

हम अग्रणी औद्योगिक डोमेन में करियर के अवसर और विकास प्रदान करते हैं - अनुप्रयोग और प्रौद्योगिकी, संचालन और इंजीनियरिंग, रणनीति और परिवर्तन, परामर्श, विनिर्माण, वित्तीय सेवाएं, सार्वजनिक क्षेत्र, उपभोक्ता सामान और खुदरा, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन, ऊर्जा और उपयोगिताएं, और सेवाएं ", कंपनी ने जोड़ा।₹एक साथ, हम ज्ञान साझा करते हुए और बेहतर करने के लिए खुद को आगे बढ़ाते हुए दुनिया के प्रमुख व्यवसायों को बदलने के लिए काम करते हैं। इस तरह से हम बेहतरीन करियर बनाते हैं और ऐसा नवोन्मेष देते हैं, जिसकी दुनिया को मानवीय जरूरत है।₹ यह कहाभारत में कैपजेमिनी में अपना मनचाहा भविष्य पाएं! अवसरों का पता लगाने के लिए यहां क्लिक करें, या नौकरी खोज के लिए यहां क्लिक करें। आप कंपनी के लिंक्डइन पेज पर भी नौकरी के अवसरों की तलाश कर सकते हैं, जिसमें नौकरी के विभिन्न अवसर हैं।छात्र और स्नातक- फ्रेशर्स की भर्ती पर, कंपनी ने कहा, ₹आपको समाज में योगदान करने के लिए भी आमंत्रित किया जाता है, या तो हमारे कर्मचारी-नेतृत्व वाले कॉर्पोरेट जिम्मेदारी कार्यक्रमों में से एक के रूप में या ग्राहकों को आज की कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करते हुए। इस बीच, हमारे कई स्नातक कार्यक्रम विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं के साथ विकास के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला को जोड़कर आपको अपना करियर शुरू करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।डब्ल्यूएफएच / एनीवेयर जॉब्सः कंपनी वर्क फ्रॉम होम या, एनीवेयर जॉब्स के लिए नौकरी के लिए आवेदन भी आमंत्रित कर रही है। अवसरों का पता लगाने के लिए कृपया डब्ल्यूएफएच/एनीवेयर जॉब्स पर क्लिक करें।

उत्तराखंड आ सकते हैं पीएम मोदी, जवानों संग दीवाली मनाने की संभावना तेज़

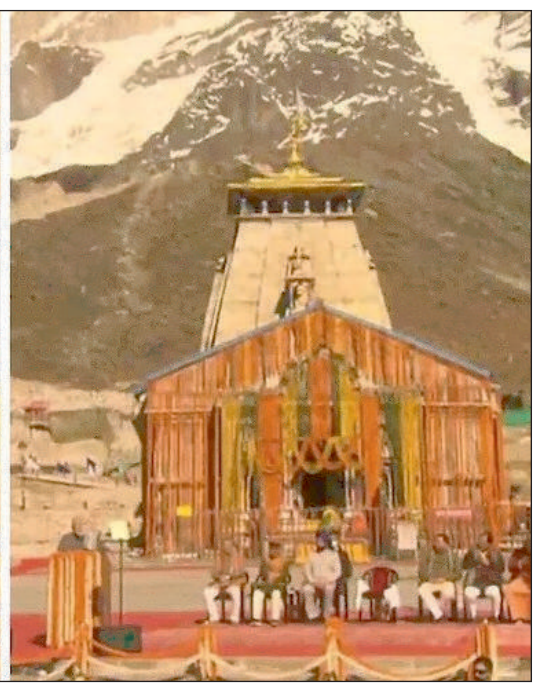

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। अगर संभावनाएं सच हुयी तो एक बार फिर देवभूमि आ सकते हैं प्रधानमंत्री। यूँ तो देहरादून में सरकार इसके लिए तैयारियां भी करती नज़र आ रही है क्योंकि खुद सीएम धामी ने अभी अभी केदारनाथ का दौरा किया और वहां तैयारियों के साथ साथ निर्माण कार्यों का भी अपडेट लिया था जिसके बाद संभावनाओं को और बल मिला है। जैसा कि सब जानते हैं चार धाम और ख़ास कर बद्री केदार निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग सीधे पीएमओ से हो रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ शब्दों में संकेत भी दे दिए हैं कि पुनर्निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी. दरअसल वर्ष 2013 की आपदा में बुरी तरह से जमींदोज हो चुके केदारनाथ धाम मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पुनर्निर्माण का काम लगातार जारी है.

प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले पीएम मोदी पहली 3 मई, 2017 को केदारनाथ पहुंचे थे. इसके बाद पीएम मोदी 20 अक्टूबर को फिर से केदारनाथ पहुंचे थे. उस दौरान उन्होंने केदारनाथ पुनर्निर्माण के लिए 700 करोड़ रुपये की पांच बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास किया था. इसके बाद पीएम मोदी 7 नवंबर, 2018 को तीसरी बार केदारनाथ पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया था. पीएम मोदी चौथी बार 18 मई 2019 को बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे थे. 5 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांचवीं बार केदाराथ धाम आए थे. इस बार उन्होंने केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. इसके अलावा उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य की 12 फीट लंबी और 35 टन वजन वाली प्रतिमा का अनावरण किया. साथ ही 130 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया.अब उम्मीद जताई जा रही है कि पीएम मोदी एक बार फिर देवभूमि में दीवाली मना सकते हैं जिसके लिए तैयारियां भी की जा रही हैं।

आयुष्मान योजना शुरू होने से उत्तराखंड के एक लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा कैशलेस इलाज का लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आयुष्मान योजना में राज्य स्वास्थ्य योजना के तहत उत्तराखंड के एक लाख पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों को फिर से कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी. 1 अक्टूबर से गोल्डन कार्ड पर योजना के तहत पैनल में शामिल किसी भी अस्पताल में इलाज करा सकेंगे. अक्टूबर माह में मिलने वाली पेंशन में से पिछले नौ माह का अंशदान काट लिया जाएगा। राज्य के 16800 पेंशनभोगियों ने आयुष्मान योजना से बाहर निकलने का विकल्प दिया है.सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत राज्य के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए जनवरी 2021 से गोल्डन कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा शुरू की थी। जिसमें कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के इलाज पर होने वाले खर्च की कोई सीमा नहीं है। योजना में सूचीबद्ध प्रदेश व देश के किसी भी बड़े अस्पताल में असीमित खर्च पर इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है. लेकिन इसके एवज में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से मासिक अंशदान लिया जाता है ।योजना में कैशलेस इलाज के लिए पेंशन से अंशदान की कटौती को लेकर कुछ पेंशनभोगियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था कि जो पेंशनभोगी योजना का लाभ नहीं लेना चाहते उन्हें मौका दिया जाए। इस पर सरकार ने दिसंबर 2021 से पेंशनभोगियों से अंशदान की कटौती पर रोक लगा दी है। साथ ही दो बार पेंशनभोगियों को यह चुनने के लिए कहा गया था कि योजना का लाभ लिया जाए या नहीं। जिन पेंशनभोगियों ने विकल्प नहीं दिया, उन्हें स्वतः ही योजना में शामिल माना गया। वहीं, 25 सितंबर 2022 तक राज्य के 16800 पेंशनभोगियों ने योजना से बाहर होने का विकल्प दिया है.अब योजना से बाहर रहने वालों के लिए पूर्व व्यवस्थाराज्य के 16800 पेंशनभोगियों के लिए जो आयुष्मान योजना से बाहर हैं, अब पुरानी व्यवस्था लागू होगी। उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्ति दी जाएगी। जिसके तहत इलाज का बिल संबंधित विभाग को देना होगा, जिसके बाद विभाग उसे पास कर सरकार को भेजेगा और फिर चिकित्सा प्रतिपूर्ति की जाएगी.

उत्तरकाशी में ट्रेकिंग के लिए 40% बुकिंग रद्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

माउंट द्रौपदी का डंडा- II में हाल ही में हिमस्खलन त्रासदी - जिसमें 27 युवा पर्वतारोही मारे गए और दो अन्य लापता हो गए - ने उत्तरकाशी जिले में साहसिक खेल क्षेत्र को एक बड़ा झटका दिया है। उद्योग के पेशेवरों का दावा है कि ट्रेकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों के लिए एक केंद्र, पहाड़ी जिला जहां त्रासदी सामने आई है, बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द की जा रही है। उन्होंने कहा कि ताजा पूछताछ भी आना बंद हो गई है।ट्रेकिंग और पर्वतारोहण के मालिक भागवत सेमवाल ने कहा, ₹हिमस्खलन ने पर्यटकों के बीच असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है, क्योंकि इस घटना ने नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (एनआईएम) के प्रशिक्षुओं के एक समूह को प्रभावित किया है, जो इस क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक है।उन्होंने कहा, ₹कई पर्यटक समूहों ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी है क्योंकि वे हिमस्खलन त्रासदी के बाद से सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे। इसके अलावा, हमें कोई और बुकिंग भी नहीं मिल रही है। हमें मानसून के बाद के मौसम में 40% से अधिक बुकिंग खोने का डर है।₹अन्य टूर ऑपरेटरों ने भी इसी तरह की भावनाओं को प्रतिध्वनित किया और इस घटना को जिले के ट्रेकिंग और पर्वतारोहण उद्योग के लिए ₹एक बड़ा झटका₹ होने का दावा किया, जो पहले से ही कोविड महामारी, इसके बाद और हिमाचल को जोड़ने वाले ट्रेक मार्गों में गतिविधियों पर हाल ही में प्रतिबंध के कारण पीड़ित था। गढ़वाल हिमालय ट्रेकिंग एंड माउंटेनियरिंग एसोसिएशन, उत्तरकाशी के अध्यक्ष जयेंद्र राणा ने कहा,₹लोगों, विशेषकर माता-पिता में भय और दहशत का माहौल है, जो अपने बच्चों को साहसिक खेलों के लिए पहाड़ों पर भेजने से डरते हैं।

उत्तराखंड को उत्कृष्ट राज्य बनाने में फार्मा सेक्टर की अहम भूमिका : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डांडा लखौड में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के नवनिर्मित एफ.डी.ए. भवन व राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने औषधी परीक्षण प्रयोगशाला का अवलोकन भी किया ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे प्रदेश के फार्मा सेक्टर के लिए बहुत अहम दिन है। आज औषधि नियंत्रण संगठन एवं राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ी पहल की जा रही है। इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रख कर 6.56 करोड़ रुपये की लागत से एफ.डी.ए. भवन का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त 13.22 करोड़ रुपये की लागत से एफ.डी.ए. भवन में औषधि नमूनों की गुणवत्ता जांचने हेतु राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला में वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राज्य में औषधि निर्माण और इस क्षेत्र में विस्तार की संभावनाओं को अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया जाए। इस दिशा में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में औषधि निर्माण की ईकाइयां लगातार बढ़ रही हैं। राज्य में लगभग 300 औषधि निर्माता कंपनियां कार्य कर रही हैं। ये सभी इकाइयां अपने उत्पादन के जरिए हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध करवा कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में प्रकृति प्रदत्त अनेक संपदाएं हैं। उत्तराखंड आयुष, योग धर्म एवं संस्कृति की भूमि तो है ही। अब उद्योगों की भूमि भी बन रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा औषधि निर्माता कंपनियों को हर संभव मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि 2025 में जब उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाएगा, तब तक उत्तराखंड को उत्कृष्ट राज्य बनाने में फार्मा सेक्टर क्या योगदान दे सकता है, इस दिशा में ध्यान दिया जाए। उत्तराखंड को उत्कृष्ट राज्य बनाने में सबका योगदान जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड में औषधि निर्माता कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। दवा कंपनियों को लाइसेंस लेने में दिक्कतें न हो इसकी लिए ऑनलाईन प्रक्रिया अपनाई जा रही है। 2024 तक राज्य को क्षय रोग मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ब्लड डोनेशन एवं संस्थागत प्रसव में उत्तराखण्ड श्रेष्ठ राज्यों में है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, प्रभारी महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. विनीता शाह, प्रधानाचार्य दून मेडिकल कॉलेज डॉ. आशुतोष सयाना, औषधी नियंत्रक ताजबीर सिंह, प्रबंध निदेशक एकम्स ग्रुप संदीप जैन, आर.के.जैन एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आसमान में है सबसे ऊंचा ATM बादलों के बीच निकलती है नोट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 12 अक्टूबर। आजकल के समय में लगभग हर चौराहे पर ATM लगे मिल जाएंगे. कैश निकालने में लोगों को दिक्कत ना हो, इसलिए थोड़ी-थोड़ी दूर पर ही ATM बनाकर लोगों की जिंदगी आसान बनाई जा रही है. लेकिन एक ATM ऐसा है जो पहाड़ की चोटी पर स्थित है. ये दुनिया का सबसे ऊंचा एटीएम है. यहां पहुंचने के लिए बादलों से गुजरना पड़ता है. लेकिन फिर भी इससे पैसे निकलवाने वालों की लाइन लगी रहती है.

ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठता है कि इतनी ऊंचाई पर बिना बिजली के ये ATM काम कैसे करता है. साथ ही इस ATM से पैसे निकालने में लोगों की इतनी दिलचस्पी क्यों है? तो आइए जानते हैं. बता दें कि दुनिया की सबसे ऊंची ये कैश मशीन चीन और पाकिस्तान के बीच खंजराब दर्रे की सीमा पर है. पाकिस्तान के बर्फ से लदे पहाड़ों वाले इस इलाके में बड़ी संख्या में देश-विदेश से सैलानी आते हैं. ये एक पर्यटक स्थल के तौर पर जाना जाता है. ऐसे

में National Bank of Pakistan ने यहां ATM लगाने का फैसला किया. बिजली की पहुंच ना होने की वजह से इसे चलाने के लिए सौर और पवन ऊर्जा की मदद ली गई. 4693 मीटर की ऊंचाई पर बने इस एटीएम का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है.

एटीएम मशीन बॉर्डर एरिया के आसपास रहने वाले नागरिकों, सीमा सुरक्षा बलों और पर्यटकों के काम आ रही है. इसके साथ ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है. इस ATM से पैसे निकलालने वाले कई टूरिस्ट ने कहा कि उन्हें लगा जैसा उन्होंने 'आसमान से पैसे निकाले हैं'. पर्यटक इस ATM में जाना एक सम्मान समझते हैं और यहां से पैसे निकालने की तस्वीरें क्लिक कर उन्हें अपनी यादों में संजोते हैं. ATM की निगरानी रखने वाली एक महिला अधिकारी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में करीब 4 महीने का समय लगा. निकटतम NBP बैंक यहां से 87 किलोमीटर दूर है. खराब मौसम, मुश्किल पहाड़ी दर्रों और भूस्खलन का सामना करते हुए, बैंककर्मी इस ATM में पैसे भरने के लिए जाते हैं. उन्होंने बताया कि औसतन 15 दिनों के भीतर यहां से लगभग 40-50 लाख रुपये निकाले जाते हैं.

हनीमून पर तलाक, पति ने बीवी को बिना मेक-अप देखा तो उड़ गए होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

संयुक्त अरब अमीरत में एक पति ने अपनी महिला को बिना मेकअप में देखने के बाद तलाक दे दिया है। महिला जब स्वीमिंग पूल से बाहर आई तो पति के आंखें खुली की खुली रह गई है और उसने तुरंत ही पत्नी को तलाक दे दिया।संयुक्त अरब अमीरत में एक पति ने अपनी महिला को बिना मेकअप में देखने के बाद तलाक दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला जब स्वीमिंग पूल से बाहर आई तो पति के आंखें खुली की खुली रह गई है और उसने तुरंत ही पत्नी को तलाक दे दिया। यूएई के एक अखबार अल-एतिहाद के मुताबिक पति-पत्नी शारजाह के अल मामझर बीच पर स्वीमिंग करने गए थे। स्वीमिंग के पति ने महिला का बिना मेक-अप का चेहरा देख लिया और उसे तलाक दे दिया। एक अरबी अखबार द नेशनल के मुताबिक दोनों अपने हनीमून पर गए हुए थे।गल्फ न्यूज के मुताबिक स्वीमिंग के बाद 30 साल के पति को ऐसा लगा कि मेक-अप धुलने के बाद महिला के फीचर्स में बदलाव आ गया है। उसने महसूस किया कि पत्नी ने बहुत सारा मेक-अप, कॉस्मेटिक सर्जरी और कृत्रिम पलकें तथा रंगीन कॉन्टेक लेंस लगा रखे थे। अरबी ने अपनी पत्नी (24 साल) को इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसे लगा कि पत्नी ने उसे कृत्रिम सौंदर्य से धोखा दिया है।डॉ अब्दुल अजीज आसफ ने बताया कि तलाक के बाद महिला की ओर से फोन करके उन्हें मदद के लिए बुलाया गया था। उनका कहना है कि तलाक के बाद से महिला साइकलॉजिकल रूप से बीमार है। डॉक्टर ने बताया कि महिला शादी से पहले भी कृत्रिम पलकें और कॉस्मेटिक सर्जरी कराई थी। वह अपने पति को सच बताना चाहती थी लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है। पति ने तुरंत पत्नी से तलाक ले लिया और फिर से एक होने की सभी कोशिशों को नकार दिया है।

25 रोटी खाने से सो गया था साहेब हेड कॉन्स्टेबल की सफाई

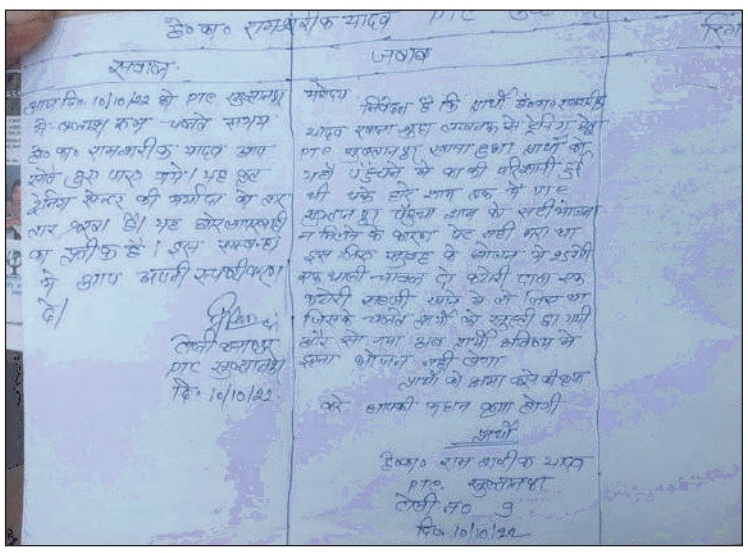

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में ट्रेनिंग के समय सोते हुए पकड़े गए हेड कॉन्स्टेबल से जब स्पष्टीकरण मांगा गया, तो उसने इसके पीछे जो तर्क दिया उसे पढ़कर लोगों की हंसी छूट रही है. सोशल मीडिया पर हेड कॉन्स्टेबल का स्पष्टीकरण पत्र तेजी से वायरल हो रहा है. बीते सोमवार को ट्रेनिंग क्लास के दौरान हेड कॉन्स्टेबल राम शरीफ यादव सोते पाए गए थे. इसे घोर लापरवाही मानते हुए पीटीसी के टोली कमांडर ने हेड कॉन्स्टेबल से स्पष्टीकरण मांगा था. लेकिन राम शरीफ की साफगोई ने सबको चौंका दिया.हेड कॉन्स्टेबल राम शरीफ यादव ने अपने जवाब में जो तर्क दिया है, उसे पढ़कर हर कोई दंग रह गया. उन्होंने लिखा है, वे लखनऊ से ट्रेनिंग के लिए पीटीसी दादूपुर रवाना हुए थे. यहां पहुंचने में उन्हें काफी परेशानी हुई. वे शाम को थके-हारे पीटीसी पहुंचे थे. उन्होंने आगे लिखा है, सही से खाना नहीं

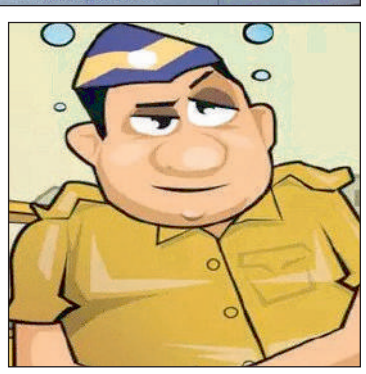

मिलने के कारण उनका पेट नहीं भरा था. लिहाजा, अगली सुबह खाने में 25 रोटी, एक थाली चावल, दो कटोरी दा और एक कटोरी सब्जी खा ली थी. इससे उन्हें सुस्ती छा गई और वे क्लास में झपकी लेने लगे. मजेदार बात ये है कि उन्होंने भरोसा दिलाया है कि अगली बार से वे इतनी ज्यादा मात्रा में भोजन नहीं करेंगे. जिसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी है.

हमेशा शक करना पैरानॉयड पर्सनैलिटी डिसऑर्डर का है लक्षण, तुरंत कराएं इलाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर। पैरानॉयड पर्सनालिटी डिसऑर्डर एक प्रकार की मानसिक बीमारी है. इससे पीड़ित व्यक्ति हर बात पर शक करने लगता है, जिसकी उसकी रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ता है. शक तो बहुत से लोग करते हैं तो क्या सभी को ये मानसिक बीमारी है? इस सवाल का जवाब है नहीं. डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप अचानक हर किसी पर शक करने लगें, मन में बिना वजह असुरक्षित महसूस हो और हर छोटी बात का बुरा लगने लगे और मन में ही कुछ कहानियां बुनने लगें तो ये सब पैरानॉयड पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के लक्षण हैं. इस बीमारी में व्यक्ति का शक एक सनकीपन में बदल जाता है. इंसान इतना शक्की हो जाता है और उनसे उसकी मानसिक हालात भी बिगड़ने लगती है. जिससे उसका रोजमर्रा का जीवन भी प्रभावित होने लगता है.पैरानॉयड पर्सनैलिटी

डिसऑर्डर के बारे में मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ बताते हैं कि कुछ लोग जरूरत से ज्यादा शक करते हैं और केवल संदेह के आधार पर दूसरों को दोषी मान लेते हैं. लक्षणों की पहचान और बीमारी के कारणों को जानकर इस समस्या का इलाज कराना चाहिए. इस दौरान यह भी पता करें कि मरीज किसी नशीले पदार्थ का सेवन तो नहीं कर रहा है. साथ ही यह भी जरूरी है कि अगर आपके आसपास रहने वाले किसी दोस्त या परिवार के सदस्य में इस बीमारी के लक्षण दिख रहे हैं तो इसपर ध्यान दें और उसको इस बारे में गाइड भी करें.

ऐसे पहचाने लक्षण

अगर कोई इंसान हमेशा शक करता है और उसे लगे कि उसका शक पक्का हो रहा है तो ये पैरानॉयड पर्सनैलिटी डिसऑर्डर होता है. कई मामलों में मरीज को ये भी लगता है कि जो उसका शक है और जो वह सोच रहा है वही उसकी सामने हो भी रहा है, हालांकि ऐसा होता नहीं है और खराब मानसिक हालात की वजह से व्यक्ति को ऐसा भ्रम होने लगता है. इस बीमारी में अगर समय पर इलाज नहीं होता तो व्यक्ति की मानसिक हालत काफी बिगड़ सकती है.

ये बीमारी क्यों होती है?

डॉक्टर बताते हैं कि किसी दुर्घटना के दौरान सिर में लगी चोट की वजह से भी ये परेशानी हो सकती है. क्योंकि कई बार चोट का असर ब्रेन के फंक्शन पर पड़ता है. नतीजन ऐसी परेशानी होने लगती हैं. इसके अलावा अधिक मेंटल स्ट्रेस लेने, बचपन की घटना का मेंटल ट्रॉमा और जीवन में मिल रही असफलताओं की वजह से भी पर्सनैलिटी डिसऑर्डर हो सकता है. इस बीमारी के लक्षण दिखते ही मनोरोग विशेषज्ञों से सलाह लेनी बहुत जरूरी है. काउंसलिंग और दवाओं के माध्यम से पैरानॉयड पर्सनालिटी डिसऑर्डर की बीमारी को काबू में किया जा सकता है.

गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव 2022 का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री धामी

गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 का आयोजन 14 से 16 अक्टूबर को

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। तीन दिवसीय गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले का आयोजन 14 से 16 अक्टूबर तक महेन्द्र ग्राउन्ड, निकट शहीद दुर्गा मल्ल पार्क, गढ़ी कैन्ट, देहरादून में आयोजित होने जा रहा है। तीन दिवसीय मेले के आयोजक व संयोजक वीर गोर्खा कल्याण समिति (रजि0) देहरादून उत्तराखण्ड द्वारा किया जा रहा है।

वीर गोर्खाकल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने बताया कि नेपाल के अन्तर्राष्ट्रीय लोकगायक श्याम राना व लोकगायिका अमृता लुगंली तीन दिवसीय गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 में मुख्य आकर्षण का केंन्द्र रहेंगे। देहरादूनवासियों के लिए मेले में गोर्खाली स्वादिष्ट व्यंजन, सरकारी व अर्ध सरकारी विभिन्न प्रकार के स्टॉलों की प्रदर्शनी, गोर्खाली पारम्परिक वेष-भूषा एवं परिधानों की प्रदर्शनी, आर्मी का खुकुरी नृत्य, द शै दि पा व ली ना ट्य - ना टि का प्रस्तुति, बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल सामग्री के साथ झूले तथा विभिन्न संस्थानों एवं समूह द्वारा शानदान प्रस्तुतियां दी जायेंगी।

अन्तर्राष्ट्रीय लोकगायक श्याम राना व लोकगायिका अमृता लुगंली देंगे अपनी प्रस्तुतियां

वीर गोर्खाकल्याण समिति के महासचिव विशाल थापा ने बताया कि तीन दिवसीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा किया जाएगा वहीं दूसरे दिन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तीसरे दिन में मुख्य अतिथि के रुप में महामहिम डॉ शंकर प्रसाद शर्मा नेपाल के राजदूत मौजूद रहेंगे एवं गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 की गरिमा को बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान गोर्खा अचीवर सम्मान भी दिया जायेगा।

सांस्कृतिक सचिव देवकला दीवान ने प्रेस वार्ता में बताया कि गोर्खा दशैं-दीपावली महोत्सव-2022 मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं जिसके लिए उत्तराखण्ड के अलग-अलग संस्थाओं द्वारा नामंकन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या अधिक होने के कारण अलग-अलग जगह से आये संस्थाओं का ऑडिशन लिया गया। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नेपाली, गढ़वाली, कुमाऊनी, जौनसारी, राजस्थानी, पंजाबी व हिन्दी गानों पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सुन्दर-सुन्दर प्रस्तुतियां दी जायेंगी, साथ ही जनजातिय समूह नृत्य भी प्रस्तुत किया जायेगा वही हमारे लोकप्रिय गायिका शिकायना मुखिया भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

जानकारी देते हुए वीर गोर्खाकल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला तमांग , उपाघ्यक्ष सूर्य विक्रम शाही, मनोज तमांग, महासचिव विशाल थापा, कोषाध्यक्ष टेकू थापा, सचिव देविन शाही, सचिव आशु थापा,सांस्कृतिक सचिव देव कला दीवान, सांस्कृतिक सह सचिव झगु राना, संरक्षक मेजर बि पी थापा, संरक्षक सारिका प्रधान , सलाहकार कर्नल फुल माया गुरुंग, कर्नल एलबी खत्री वही समिति सदस्यों में बुदेश राई, दिल कुमारी शाही ,करमिता थापा,सूबेदार मीन प्रसाद गुरुंग एवं सूजन शाही मौजूद रहे।

थैंक यू सीएम, पिथौरागढ़ के मनोज ने आयुष्मान कार्ड को बताया जीवन रक्षक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। 'आप सजग हैं और आपको जानकारी है तो आपकी परेशानी का हल आसान हो जाता है। फील्ड चाहे कोई भी हो, आपको कोई हरा नहीं सकता। लेकिन अगर आप सजग नहीं हैं तो दिक्कत है'। यह बात पिथोरागढ़ निवासी मनोज पांडे के मामले में भी चरितार्थ होती है। वह बताते हैं कि पहले उन्हें आयुष्मान योजना के बारे में जानकारी नहीं थी, या उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, तो उन्होंने अपनी माता जी के उपचार पर 4.50 लाख के करीब खर्च कर दिए। यानी अगर उन्हें जानकारी होती या वह योजना के बारे में ठीक से जानने की कोशिश करते तो उनका यह खर्चा बच जाता।

हालांकि अब वह पूरी तरह से जागरूक हैं, जब उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाया तो अब वह मुफ्त उपचार योजना का लाभ लेते हुए माताजी का उपचार करा रहे हैं। साथ ही लोगों को भी आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मनोज बताते हैं कि उनकी माताजी श्रीमती मोहनी देवी जिनकी उम्र 80 वर्ष है, गत वर्ष उन्हें पैरालाइज की दिक्कत हो गई थी। तब उन्हें आयुष्मान योजना के बारे में पता तो था लेकिन आयुष्मान कार्ड नहीं बनाया था। मुफ्त उपचार की योजना होने के बावजूद उन्होंने अपने खर्च पर उपचार कराया। और करीब 4.50 लाख रूपए तक इलाज पर लग गए। आए दिन बढ़ रहे खर्च की परेशानी के बाद जब उन्होंने योजना के बारे में जाना, समझा और आयुष्मान कार्ड बनवाया तो अब उनकी माता जी का उपचार बगैर किसी खर्च के होने लगा है। 'देर आयद दुरूस्त आयद' यानी साढ़े चार लाख का खर्च उठाने के बाद उन्हें यह रास्ता मिला।

अब वह योजना के संचालकों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश सरकार का धन्यवाद प्रकट करते थकते नहीं हैं।

मनोज को अब आयुष्मान योजना की अहमियत के बारे में पता लग गया है, तो अब वह बड़े गदगद भाव से सभी से आयुष्मान कार्ड बनाने की अपील कर रहे हैं। वह कहते हैं कि जनकल्याण की योजना सीधे जनजीवन से जुड़ी है। सभी को आयुष्मान कार्ड बनाना चाहिए। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण भी सभी से बार बार यह अपील करता है कि समय रहते अपने आयुष्मान कार्ड बनवा दें, इसके लिए प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने सस्टेनेबिलिटी फेयर 2022 का किया उद्घाटन, कई देशों के छात्र शामिल हुए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। देहरादून में अलग-अलग विषयों में कोर्स प्रदान करने वाली यूपीईएस यूनिवर्सिटी के सस्टेनेबिलिटी क्लस्टर ,स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2022 तक "सस्टेनेबिलिटी फेयर 2022" का आयोजन किया जा रहा है। इस 4 दिवसीय कार्यक्रम की थीम "सुरक्षित, लचीले तथा स्थिर शहर और समुदाय" है। सस्टेनेबिलिटी फेयर के उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपनी उपस्थिति दी । यूपीईएस के वाइस चांसलर डॉ. सुनील राय ने मेहमानों के स्वागत में अभिभाषण दिया। इसके बाद सस्टेनबिलिटी रिपोर्ट जारी की गई। इसी के साथ मुख्य अतिथि और दूसरे गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में सस्टेनेबिलिटी मेला शुरू हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित यूपीईएस की शैक्षणिक टीम में डॉ. एस.जे. चोपड़ा,चांसलर, डॉ राम शर्मा, प्रो-वाइस चांसलर, मनीष मदान, रजिस्ट्रार, डॉ गुरविंदर विर्क, डीन, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और सस्टेनेबिलिटी क्लस्टर की फैकल्टी शामिल रहे।

यूपीएस के वाइस चांसलर डॉ. सुनील राय ने कहा, "इस मेले का मकसद सस्टेनेबिलिटी पर नवीनतम शोध को दुनिया के सामने लाना है और उच्च सामाजिक महत्व की संबंधित चुनौतियों से भी लोगों को रूबरू कराना है। इसका लक्ष्य किफायती और स्थिर समाधानों को बढ़ावा देना, इंडस्ट्री और शिक्षा जगत के सम्मेलन के जरिए स्थिर समाधानों पर विचार-विमर्श के सत्र आयोजित करना और विभिन्न हितधारकों के बीच नेटवर्किंग की स्थापना करना है। इसी के साथ विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से किए जाने वाले विकास कार्यों की योजना बनाई जाएगी। डॉ. राय ने कहा, "यूपीईएस में हम पहले ही स्थिरता की ओर कदम उठा चुके हैं। हम हाइड्रोजन के भंडारण, ली-ऑयन बैटरी, बायोफ्यूल, जल प्रबंधन, जल शोधन, नवीकरणीय ऊर्जा पर काम कर रहे हैं। इसी के साथ हम उत्तराखंड के स्मार्ट मॉडल गांवों और कई अन्य पहलों के माध्यम से शहरों और समुदाय को सस्टेनेबल बनाने में योगदान दे रहे हैं। हम इस महत्वपूर्ण विषय पर संवाद में सबसे आगे रहने के लिए तत्पर हैं।"

राजयपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूपीईएस के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने स्थिर विकास की जरूरतों पर चर्चा करने के लिए इस तरह का प्लेटफॉर्म का निर्माण करने वाली पहली यूनिवर्सिटी बनने के लिए यूपीईएस को बधाई दी । उन्होंने कहा कि आज लोगों को हरे-भरे पर्यावरण के संरक्षण के प्रासंगिक मामलों पर जागरूक करने की जरूरत है। मेरा विश्वास है कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से अलग-अलग विचारों वाले लोग एक साथ आएंगे और स्थिर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पर्यावरण स्थिरता के सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करेंगे।" उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई परियोजनाओं के आंकड़ों को भी साझा किया। इसमें जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, उजाला प्रोग्राम तथा स्थिरता के लक्ष्यों को हासिल करने में भारत की प्रगति का जिक्र किया। चार-दिन के सम्मेलन में स्कूल और कॉलेज के छात्रों को व्यवाहरिक प्रशिक्षण के अलावा, इस क्षेत्र की दिग्गज हस्तियों के साथ छात्रों का इंटरैक्टिव सेशन भी आयोजित किया जाएगा। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए सस्टेनेबिलिटी मॉडल कॉम्पिटिशन होंगे। स्थिरता के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों की ओर से प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा पैनल चर्चायें, इंटरनेशनल सिंपोजियम और नेटवर्किंग सेशन भी आयोजित किए जाएंगे। यूपीएस सस्टेनेबिलिटी मेले में भाग लेने वाले प्रतियोगियों में क्षेत्रीय इंडस्ट्रीज, शिक्षा के क्षेत्र की हस्तियां, सरकारी निकाय, एनजीओ और दुनिया के कई हिस्सों, जैसे स्पेन, डेनमार्क, श्रीलंका, इंडोनेशिया से आए छात्र शामिल हुए। यह इंस्टिट्यूट सस्टेनेबल शहरी नियोजन और औद्योगिक गतिविधियों, ग्रीन बिल्डिंग मटीरियल, प्रदूषण, ऊर्जा, वेस्ट मैनेजमेंट, बायो रिफाइनरी, वायुप्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहे क्षेत्रीय उद्योगों एवं संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी की मेजबानी करेगा।

हाल बेहाल है देश भर के सूचना आयोग का, शिकायतें ज्यादा , फैसले कम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , देश में सूचना का अधिकार कानून लागू हुए 17 साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन आलम यह है कि देश में सूचनाएं समय पर नहीं मिलने को लेकर दाखिल की गई तीन लाख से ज्यादा शिकायतें लम्बित हो गई हैं। कानून के क्रियान्वयन व देश के 29 सूचना आयोगों के कामकाज पर नजर रखने वाले संगठन सतर्क नागरिक संगठन की रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।नई दिल्ली। सूचना के अधिकार के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति और इधर सूचना आयुक्तों के खाली पदों ने देश में मामलों के निस्तारण की गति को मंथर कर दिया है। देश के 29 सूचना आयोगों में लोगों को समय पर सूचना नहीं मिलने के खिलाफ लगाई गई तीन लाख से ज्यादा शिकायतें व अपीलें लम्बित हैं। इनके निस्तारण की मंथर का गति का आकलन करने पर जो अनुमान लगाया गया है, वह और भी चौंकाने वाला है। पश्चिम बंगाल की हालत तो यह है कि इस साल जुलाई में दर्ज हुई शिकायत के निस्तारण में ही 24 साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।सतर्क नागरिक संगठन की ओर से देश में सूचना का अधिनियम लागू होने की 17वीं वर्षगांठ के मौके पर जारी रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। 'भारत में सूचना आयोगों के प्रदर्शन का रिपोर्ट कार्ड 2021-22' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में केंद्रीय सूचना आयोग और राज्यों के सूचना आयोगों के कामकाज का आकलन पेश किया गया है।रिपोर्ट में बताया गया है कि आयोगों में अपीलों-शिकायतों का बैकलॉग लगातार बढ़ता जा रहा है। 31 मार्च, 2019 तक 26 सूचना आयोगों में कुल 2,18,347 मामले लम्बित थे और इस साल जून तक इनकी संख्या बढ़कर 2,86,325 हो गई। संगठन ने आयोगों के औसत मासिक निपटान दर और लंबित मामलों के हिसाब से अपील-शिकायत के निपटारे में लगने वाले समय की गणना की। इसमें सामने आया कि पश्चिम बंगाल में इस साल 1 जुलाई को दर्ज मामले का निस्तारण मौजूदा मासिक दर के आधार पर वर्ष 2046 में होगा। ओडिशा व महाराष्ट्र में 5 वर्ष व बिहार में लंबित मामले दो वर्ष से पहले नहीं निपट सकेंगे। देश के 12 राज्यों में निस्तारण में 1 साल या उससे अधिक समय लगने का अनुमान लगाया गया है।

मप्र दूसरे, राजस्थान चौथे पायदान पर

एक साल की अवधि के दौरान देश के 29 सूचना आयोगों ने समय पर सूचनाएं नहीं देने पर कुल 5805 मामलों में 3 करोड़ 12 लाख 1 हजार 350 रुपए का जुर्माना लगाया। इनमें सर्वाधिक 1265 मामलों में लगभग एक करोड़ चार लाख रुपए का जुर्माना लगाकर कर्नाटक अव्वल रहा। मध्यप्रदेश 222 मामलों में 47.50 लाख जुर्माने का साथ दूसरे और राजस्थान 980 मामलों में 35 लाख रुपए जुर्माने के साथ चौथे स्थान पर रहा। यूपी ने सर्वाधिक 2299 मामलों में जुर्माना लगाया, लेकिन जुर्माने की राशि नहीं बताई। सूचना आयोगों ने 95 प्रतिशत मामलों में जरूरत के बावजूद जुर्माना नहीं लगाया।

झारखंड में ढाई साल से काम बंद

रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड में मई 2020 के बाद से कोई सूचना आयुक्त ही नहीं है और वहां लोगों को आरटीआई का फायदा नहीं मिल रहा। इसी तरह त्रिपुरा में पिछले 15 महीनों से काम बंद नहीं है। इन दोनों राज्यों में अभी भी सूचना आयुक्तों के सभी पद रिक्त हैं। खाली पदों का आलम यह है कि केंद्रीय सूचना आयोग में भी सूचना आयुक्तों के तीन पद अरसे से नहीं भरे जा रहे और यहां लंबित मामलों की संख्या करीब 26, 800 तक पहुंच गई है। मणिपुर, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल व आंध्रप्रदेश में मुख्य सूचना आयुक्त के पद ही नहीं भरे जा रहे। मणिपुर में तो 44 महीनों से यह पद खाली है।

एक नज़र में पूरी कहानी

29 सूचना आयोग देशभर में
2 राज्यों झारखंड-त्रिपुरा में काम ही नहीं
2,12,443 अपीलें-शिकायतें दर्ज एक साल में
3,14,323 शिकायतें लंबित 26 आयोगों में
69 फीसदी आयोगों ने बनाई ही नहीं वार्षिक रिपोर्ट

HC ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत 'कम उम्र में शादी' की अनुमति पर केंद्र और राज्य से जवाब मांगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

18 साल से कम उम्र की लड़कियों की शादी के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ में दी गई अनुमति के मामले में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को 16 नवंबर तक कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए आखिरी मौका दिया है. मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की पीठ ने यूथ बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया।यूथ बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि 18 साल से कम उम्र की लड़कियों की शादी के मामलों में, कुछ अदालतें जोड़े को मान्यता दे रही हैं और उन्हें पुलिस सुरक्षा प्रदान करने के आदेश भी जारी कर रही हैं क्योंकि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत ऐसी शादियों की अनुमति है। याचिकाकर्ता ने आगे कहा है कि 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़की, नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध और कम उम्र में बच्चे को जन्म देने से लड़की और उसके बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इसके अलावा, एक तरफ सरकार ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम जैसे कानून बनाए हैं, जबकि दूसरी ओर 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के विवाह की अनुमति दी जा रही है जो उक्त अधिनियम का उल्लंघन है।

जनहित याचिका में मांग की गई है कि 18 साल से कम उम्र की लड़की से शादी को अवैध घोषित किया जाए और शादी के बाद ऐसी लड़की के साथ शारीरिक संबंध को रेप की श्रेणी में रखा जाए, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए. याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की है कि बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक 2021, महिलाओं की विवाह योग्य आयु को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के लिए, जिसे संसद में पेश किया गया था, बिना किसी देरी के पारित किया जाना चाहिए। विधेयक के पारित होने तक, अदालत से अनुरोध किया गया है कि कम उम्र की शादी को धर्म और जाति के बावजूद अवैध घोषित किया जाए।उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने पर भी काम कर रही है। उत्तराखंड के निवासियों के व्यक्तिगत नागरिक मामलों को विनियमित करने वाले प्रासंगिक कानूनों की जांच करने और विवाह, तलाक, संपत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार / विरासत और गोद लेने पर मौजूदा कानूनों में बदलाव का सुझाव देने या सुझाव देने के लिए गठित पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के साथ बातचीत कर रही है। राज्य में यूसीसी के नियोजित कार्यान्वयन के संबंध में नागरिकों से सुझाव प्राप्त करने के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों।

उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे बैंक : राधा रतूडी, अपर मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने नकली नोटों के मामलों को भी ई एफआईआर के माध्यम से दर्ज किए जाने की व्यवस्था जल्द बनाने हेतु निर्देश दिए। वितीय अपराधों की रोकथाम के लिए उन्होंने उत्तराखण्ड पुलिस अधिकारियों तथा कमर्शियल बैंकों के एक साझा ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करने के निर्देश दिए। एसीएस राधा रतूड़ी ने बैंकों को उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन रोकने तथा चारधाम यात्रा मार्ग में तीर्थ यात्रियों की वितीय सुविधाओं को पूरा करने में बैंक अहम भूमिका निभा सकते है। साथ ही राज्य में फाइनेशियल लिटरेसी बढ़ाने में बैंकों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। बुधवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा उत्तराखण्ड राज्य हेतु आयोजित बैंको की 17वीं राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति की बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा आरबीआई तथा बैंकों के सुरक्षा कर्मियों को अग्निशमन, सुरक्षा आदि में प्रशिक्षण एवं सहायता हेतु यथासंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बैंकों को भी निर्देश दिए कि बैंक अपने परिसरों में पूर्णतः सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था करे। बैंकों में करेंसी चेस्टस (मुद्रा की तिजौरियों) का नियमित फायर ऑडिट सुनिश्चित करवाया जाए। एसीएस रतूड़ी ने कहा कि समस्त बैंक शाखाओं व एटीएम की सीसीटीवी कैमरों के साथ ही सिक्योरिटी गेजेट्स जैसे बर्गलरी अलार्म विद ऑटो डायलर, फायर अलार्म, बायोमेट्रिक एक्सेस तथा टाइम लॉक की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आमजन को नकली नोटों के प्रति जागरूक करने हेतु बैंकों को जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में बैंक अधिकारियों ने करेंसी चेस्टस, आरबीआई परिसरों तथा कोष के आवागमन के दौरान सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध सुरक्षा बल बढ़ाये जाने का मुद्दा रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में कुशल मुद्रा प्रबन्धन हेतु प्रतिबद्ध सुरक्षा टास्क फोर्स का गठन अति आवश्यक है। गौरतलब है कि वर्तमान में राज्य में 17 करेंसी चेस्टस की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य पुलिस तथा 22 करेंसी चेस्टस की जिम्मेदारी बैंकों द्वारा नियुक्त किए गए सुरक्षा गार्डो द्वारा की पूरी की जा रही है।

मिशन 2024 के लिए जुट जाएं भाजपा के युवा कार्यकर्ता : आदित्य चौहान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर देहरादून द्वारा नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी युवा मोर्चा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा शैलेन्द्र सिंह बिष्ट का प्रथम बार महानगर कार्यालय आगमन पर युवा मोर्चा द्वारा भव्य एवं जोरदार स्वागत किया गया ।इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी शैलेन्द्र बिष्ट ने अपनी छात्र राजनीति के समय के संघर्ष को युवाओ के साथ साझा किया और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ज़न कल्याणकारी योजनाओं को ज़न ज़न तक पहुचाने का काम युवा मोर्चा करेगा इस अवसर पर प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान ने युवाओ को मिशन 2024 मैं अभी से जुट जाने को कहा , इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा अंशुल चावला ने कहा कि युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता युवाओ के बीच पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेगा इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज पंत , विपुल मनडोली , मधुसूदन जोशी , श्याम पंत, मोहित शर्मा ,आशीष रावत , कुलदीप पंत , अक्षत जैन ,तरुण जैन, आशीष शर्मा, देवेन्द्र बिष्ट , समीर , शुभम जैन, जितेंद्र बिष्ट, साक्षी शंकर, सत्यम अरोरा गौरव केशला , राहुल पंवार, दीपक सोनकर, अनमोल राय, सिद्धार्थ, नवीन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

एक धुन का नाम था राम मनोहर लोहिया

समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया, प्रायः कहा करते थे कि सच्चे लोकतंत्र की जीवनीशक्ति सरकारों के उलट-पलट में बसती है. कांग्रेस के प्रभुत्व के उन दिनों में 'असंभव' माने जाने वाले इस उलट-पलट के लिए उन्होंने अपनी आखिरी सांस तक कोई कोशिश उठा नहीं रखी. इन कोशिशों के प्रति उनकी बेचैनी ऐसी थी कि उनमें विफल हुए तो भी हिम्मत नहीं हारी, विफलता को तात्कालिक माना और इस विश्वास को बनाये रखा कि एक दिन उनकी कोशिशें जरूर रंग लायेंगी. उनका यह कथन कि 'लोग मेरी बात सुनेंगे, पर मेरे मरने के बाद' इसी का परिचायक था. फरवरी, 1962 में लोकसभा के तीसरे आम चुनाव में करारी हार से 'उलट-पलट' के उनके अरमानों को जोर का झटका लगा, तो भी 23 जून, 1962 को नैनीताल में अपने ऐतिहासिक भाषण में उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'निराशा के कर्तव्य' बताकर उन पर अमल करने को कहा. फिर तो गैर-कांग्रेसवाद के उनके नारे ने 1967 के चुनावों में कांग्रेस की चूलें हिला डालीं. केंद्र में न सही, कई राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर डाला. दूसरे पहलू पर जाएं, तो डॉ लोहिया ने चुनावी हार-जीत को कभी ज्यादा महत्व नहीं दिया. हमेशा मानते रहे कि चुनाव, हार-जीत से कहीं आगे अपनी नीतियों व सिद्धांतों को जनता के बीच ले जाने का सुनहरा अवसर होता है. इतिहास गवाह है कि 1962 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री पं जवाहरलाल नेहरू को चुनौती देने के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र फूलपुर से वे खुद प्रत्याशी बने, तो इस सुनहरे अवसर का भरपूर इस्तेमाल किया. हर हाल में संसद पहुंचने की अन्य नेताओं जैसी लिप्सा से परहेज के कारण उनका संसदीय जीवन लंबा नहीं रहा. लेकिन जब उनका निधन हुआ, तो वे अपनी कर्मभूमि फर्रुखाबाद को विभाजित कर बनायी गयी नयी कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद थे. इससे पहले उन्होंने फर्रुखाबाद लोकसभा सीट का ऐतिहासिक उपचुनाव भी जीता था. कहते थे कि उनकी सबसे बड़ी ताकत है कि देश के वंचित व कमजोर लोग उन्हें अपना आदमी समझते हैं. जानकारों के अनुसार, उनकी राजनीतिक सक्रियता से पहले फर्रुखाबाद को 'खुला खेल फर्रुखाबादी' जैसी कहावतों से पहचाना जाता था या इतिहास बना चुके ठगों और वहां उपजने वाले आलुओं से. इसी फर्रुखाबाद में 1954 में सात गुने कर दिये गये आबपाशी कर को किसानों पर भारी जुल्म बताकर डॉ लोहिया ने नहर-रेट आंदोलन शुरू किया और पीड़ित किसानों को अपने अधिकारों के लिए मरने की हद तक जाने की सलाह दी, तो वह फर्रुखाबाद के राजनीतिक प्रशिक्षण और उसकी पहचान बदलने की शुरुआत भी सिद्ध हुआ. चार जुलाई, 1954 को फर्रुखाबाद व कायमगंज में दो सभाओं के बाद वे भोजन करने बैठे ही थे कि पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. फिर तो उनके पक्ष में वहां ऐसा जनसमर्थन उमड़ा कि सिविल नाफरमानी यानी सविनय अवज्ञा जैसे हालात पैदा हो गये. तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने यह कहकर उनकी कड़ी आलोचना की थी कि आजाद देश में लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित सरकारों के विरुद्ध ऐसी सिविल नाफरमानी की भला क्या जरूरत है? लेकिन डॉ लोहिया ने उनकी आलोचना को कतई कान नहीं दिया.

डेंगू का प्रकोप : हरिद्वार अलर्ट पर अब तक दर्ज हुए 173 मामले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिला मलेरिया अधिकारी गुरनाम सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में डेंगू के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है, इसके हरिद्वार जिले में अब तक 173 ऐसे संक्रमण हुए हैं। डेंगू के मामले बढ़ने के बाद फिलहाल हरिद्वार अलर्ट पर हैनगर निगम के अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन ने खुले क्षेत्रों में खड़े पानी के साथ एंटी लार्वा स्प्रे और फॉगिंग शुरू कर दी है.डेंगू के मामलों में वृद्धि के बाद हरिद्वार जिला अलर्ट पर है।

खुले क्षेत्रों में खड़े पानी से एंटी लार्वा स्प्रे और फॉगिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लार्वा खुले स्थानों की तुलना में इनडोर क्षेत्रों में अधिक पाए जाते हैंगुरनाम सिंह ने कहा, ₹अब तक 173 डेंगू के मामले सामने आए हैं। आशा कार्यकर्ता आवासीय भवनों के अंदर कीटनाशक का छिड़काव कर रही हैं। डेंगू की रोकथाम के लिए सभी एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।₹भारत में कई राज्यों में डेंगू के मामले सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर प्रशासन संक्रमण पर लगाम लगाने की तैयारी में है.डेंगू की रोकथाम और फॉगिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कई स्थानों पर चिकित्सा टीमों की प्रतिनियुक्ति की गई है। मौजूदा 90 बिस्तरों में 47 और अस्पताल के बिस्तर जोड़े जा रहे हैं; अतिरिक्त 50 बिस्तर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

वाह ये तो सबसे अलग वाली ठगी निकली, पृथ्वी पर लौटने' के लिए मांगा पैसा

आरोपी ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में काम कर रहा है और उसे ₹उससे शादी करने के लिए धरती पर लौटने₹ के लिए पैसे की जरूरत है। बता दे एक जापानी महिला को कथित तौर पर एक रूसी अंतरिक्ष यात्री होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति द्वारा लगभग 4.4 मिलियन येन (24.8 लाख) का धोखा दिया गया था। आरोपी ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में काम कर रहा है और उसे उससे शादी करने के लिए धरती पर लौटने के लिए पैसे की जरूरत है।

पूरा मामला बताइए तो जापान के शिगा प्रान्त की रहने वाली 65 वर्षीय महिला ने इस साल जून में इंस्टाग्राम पर ठग से मुलाकात की, जहां उस व्यक्ति की प्रोफ़ाइल अंतरिक्ष की तस्वीरों से भरी हुई थी। दोनों ने संदेशों का आदान-प्रदान शुरू किया और जल्द ही अपनी बातचीत को एक जापानी मैसेजिंग एप्लिकेशन - लाइन में स्थानांतरित कर दिया।कुछ समय बाद, पुरुष ने महिला से कहा कि वह उससे प्यार करता है और वह जापान जाकर उससे शादी करना चाहता है। कॉनमैन ने तब उसे बताया कि उसे ₹पृथ्वी पर लौटने के लिए धन की आवश्यकता है₹, यह दावा करते हुए कि उसे रॉकेट के लिए लैंडिंग शुल्क देना होगा जो उसे जापान ले जा सकता है। कथित तौर पर, 19 अगस्त से 5 सितंबर की अवधि के बीच, महिला ने पुरुष को 4.4 मिलियन येन भेजे। हालांकि, जैसे-जैसे वह और पैसे माँगता रहा, जापानी महिला को शक होने लगा और उसने शिकायत दर्ज कराई।जापानी पुलिस मामले की जांच 'रोमांस स्कैम' ब्रैकेट के तहत कर रही है।

ग्रामसभा की बैठकों में लोगों को भागीदारी बढ़ाने की ज़रूरत : युगल किशोर पंत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आई-मीसा योजना के तहत मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण हेतु सोशल ऑडिट यूनिट के सदस्यों का दस दिवसीय प्रशिक्षण उत्तराखण्ड ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर में प्रारंम्भ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर यूआईआरडीए के अधिशासी निदेशक आरडी पालीवाल ने जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

तदोपरान्त उत्तराखण्ड सोशल ऑडिट यूनिट की ओर से मनोज गैरोला द्वारा राजेश सिन्हा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एनआईआरडी हैदराबाद, श्री. उज्वल पहुरकर- ऑफीसर एवं करमजीत सिंह, ऑफीसर, नेशनल रिसोर्स सेल फॉर सोशल ऑडिट, सामाजिक न्याय एवं अधिकारीता विभाग, एनआईआरडी, भारत सरकार का पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया।प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने प्रशिक्षार्थियों को सामाजिक अंकेक्षण को सरल एवं जनता के हित को दृष्टिगत रखते हुए किया जाने हेतू मार्गदर्शन किया गया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि योजना के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाईयों के कारणों या गैप का पता लगाने हेतू एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के लिए सामाजिक अंकेक्षण बहुत ही उपयुक्त साधन है। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रशिक्षार्थियों को लोगों को योजनाओं की जानकारी अनिवार्य रुप से प्रदान किये जाने और शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरुरतमंद लाभार्थियों तक पहुंचाने , प्रयास करने हेतू कहा गया। उन्होंने कहा की ग्रामसभा की बैठकों में लोगों को भागीदारी बढ़ाने हेतू लोगों को जागरुक किये जाने का कार्य प्रत्येक स्तर पर करना चाहिए, ताकि ग्राम पंचायत की आवश्यकतानुसार योजनाओं का प्रभावी निर्माण व क्रियान्वयन हो ।

अपने संबोधन में संस्थान के सहायक निदेशक एम0पी0 खाली ने बताया कि उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण कार्य है क्योंकि यह अब इसी विभाग की सभी योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण का मार्ग प्रशस्त करेगा। सामाजिक अंकेक्षण के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अन्तर्गत गठित एनआरसीए सैल के उज्वल पहुरकर द्वारा बताया गया कि प्रथम वर्ष में देशभर के 1000 संस्थानों का सामाजिक अंकेक्षण सम्पन्न किया जायेगा। आगामी पांच वर्षों में इसे 7000 ऑडिट तक ले जाया जायेगा।

इसके उपरान्त श्री. राजेश सिन्हा, एनआईआरडी हैदराबाद द्वारा प्री और पोस्ट मैट्रीक छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, नशा मुक्ति केन्द्र, वरिष्ठ नागरिक आश्रय, आंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशी इत्यादि का सामाजिक अंकेक्षण किया जाएगा, इसकी जानकारी प्रदान की गयी।

कबीर दोहों की प्रस्तुतियां से प्रह्लाद सिंह टिपन्या ने विरासत मे मौजूद लोगों का दिल जीता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के चौथे दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ। 'विरासत साधना' में देहरादून के अलग अलग विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के बच्चो ने प्रतिभाग लिया जिसमें सबसे पहले दीपिका कंडवाल (डी ए वी पी जी कॉलेज) ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया, दुसरी प्रस्तुति में भी चाहना गांधी (दी दून गर्ल स्कूल) द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुति रही, उसके बाद इति अग्रवाल द्वारा (नृत्य किंकिनी) भरतनाट्यम, सहज प्रीत कौर भरतनाट्यम ,सृष्टि जोशी (ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय) कथक नृत्य कि मनमोहक प्रस्तुति दी। अंत में सौम्या (स्कॉलर हब डिफेंस इंस्टीट्यूट) ने महाभारत की एक रचना में शास्त्रीयकला (कथक) प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने शांति का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को उनकी सुंदर प्रस्तुति के लिए कल्पना शर्मा द्वारा सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

इस 'विरासत साधना' में 12 विद्यालय एवं विश्वविद्यालय के 13 बच्चो ने प्रतिभाग लिया। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं प्रहलाद सिंह टिपानिया ने कबीर दोहों की प्रस्तुतियां दी। जिसमें उन्होने कबीर के प्रभावशाली दोहों की गायकी कर लोगो को नैतिक संदेश देने की कोशिश की, उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत गुरु वंदना से की जिसमें उन्होंने गुरु कौन है एवं शरीर ही गुरु है दोहों के भाव को व्यक्त किया। उसके बाद उन्हों गुरु की सरण और अंत में (जरा हलके गाड़ी हांको को) से प्रस्तुति का समापन किया । उनकी संगत मे अशोक (गायकी) देवनारायण सहोलिया (वॉयलेन), अजय टिपानिया (ढोलक), धर्मेंद्र (हारमोनियम) मंगलेश (तुनकी) ,हिमांशु (करताल) संग मिलकर प्रस्तुति को और मनोहर बना दिया।

प्रह्लाद सिंह टिपन्या आज भारत में कबीर गायकी के सबसे लोकप्रिय आवाज़ों में से एक है। वे मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र की लोक शैली में कबीर भजनों के गायन और व्याख्या करते है ।पंद्रहवीं सदी के इस संत-कवि के शब्दों को गाँव-गाँव मे सैकड़ों भजन मण्डलियों द्वारा गाया जाता है, उनके सदस्यों ने 600 वर्षों से कबीर की कविता गाने की अटूट मौखिक परंपरा को जीवित रखा है। वे गायन के साथ तंबूरा, खड़ताल, मंजीरा, ढोलक, हारमोनियम, टिमकी और वायलिन वादक भी हैं। टिपन्या को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिखर सम्मान (2005), 2007 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 2011 में पद्म श्री सहित कई पुरस्कार मिले है। प्रह्लादजी कि प्रभावशाली गायन शैली से अपने दर्शकों के साथ संवाद करने की चुंबकीय क्षमता के साथ जोड़ते हैं।

उनके संगीत कार्यक्रम मनोरंजक संगीत से कहीं अधिक हैं। कबीर के आध्यात्मिक और सामाजिक विचारों से उनका गहरा जुड़ाव है। मालवा में उन्हें न केवल एक गायक के रूप में सराहा जाता है, बल्कि कबीर के संदेशों को बड़ी व्यक्तिगत तीव्रता और जुड़ाव के साथ प्रचारित करने वाले के रूप में भी सम्मानित किया जाता है। उनके संगीत समारोहों में क्षुद्र विभाजन, संप्रदायवाद, खाली कर्मकांड और पाखंड से ऊपर उठने की आवश्यकता और प्रेम को परम धर्म के रूप में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की आखिरी प्रस्तुति में गौरी पथारे द्वारा शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया गया, उनकी गायिकी की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि उन्होंने अपनी शैली विकसित की है जहां राग मुख्य पहलू है और किसी एक घराने के गायकी विशिष्ट के अनुसार नहीं बल्कि राग की प्रकृति और प्रवाह की आवश्यकता के अनुसार प्रतिनिधित्व किया जाता है। हालांकि वह खुद पिछले दो दशकों से एक शिक्षिका रही हैं, लेकिन वह अपने गुरु से अपनी शिक्षा जारी रखने और नियमित रियाज करने में विश्वास करती हैं। गौरी जी ने तीन ताल के बड़ा ख्याल में राग नंद से शुरुआत की थी, अगली प्रस्तुति द्रुत तीन ताल में छोटा ख्याल में थी,"धन धन भाग नंद को" इसके बाद उन्होंने राग चारुकेशी में एक मराठी नाट्यगीत द्वारा राग देश के में दादरा प्रस्तुत किया, उन्होंने राग भैरवी के गायन के साथ समापन किया। उनकी संगत में तबले पर मिथिलेश झा जी और हारमोनियम पर सुश्री पारोमिता मुखर्जी ने उनका इस प्रस्तुति में दिल से शियोद दिया। गौरी पथारे भारत के ख्याति प्राप्त शास्त्रीय संगीत गायिका हैं, उन्होंने पं गंगाधरबुवा पिंपलखारे के मार्गदर्शन में किराना घराने में प्रशिक्षण प्राप्त किया उसके बाद, पाठारे ने स्वर्गीय जितेंद्र अभिषेकी और पंडिता पद्मताई तलवलकर से कई सालों तक संगीत की शिक्षा ली। 2010 से, वह पं अरुण द्रविड़ के तहत जयपुर घराना से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। . विभिन्न गुरुओं के अधीन उनके प्रशिक्षण ने उनकी गायकी को निखार दिया है।

उन्होंने 3 घरानों - जयपुर-अतरौली घराना, ग्वालियर घराना और किराना घराने में प्रशिक्षण लिया है। गौरी ने ख्याल प्रस्तुति की अपनी शैली बनाने के लिए जयपुर, ग्वालियर और किराना घराने के गायकी को मिश्रित किया है। गौरी ने भारत के कई नामची शास्त्रीय संगीत समारोह में प्रस्तुति दी है जिसके अंतर्गत सवाई गंधर्व महोत्सव, तानसेन उत्सव, चंडीगढ़ संगीत सम्मेलन, केसरबाई केरकर सम्मेलन, पं. कुमार गंधर्व संगीत सम्मेलन आदि है । उन्होंने अक्सर भारत, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दुबई, यूनाइटेड किंगडम और सिंगापुर में प्रदर्शन किया है। 09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं। इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विज़ीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है।

फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है। रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है। उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था। विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है।

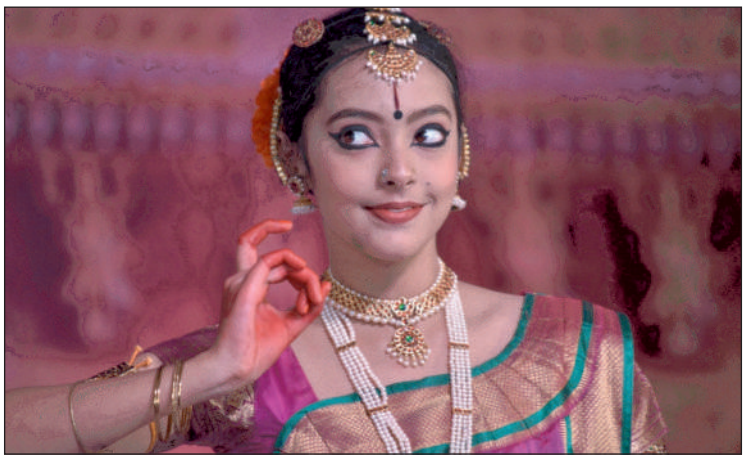

बंशीधर भगत के खिलाफ सख्त कार्यवाही करे भाजपा : सूर्यकान्त धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,12 अक्टूबर। उत्तराखंड में भाजपा के दिग्गज नेता पूर्व बीजेपी अध्यक्ष, पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक बंशीधर भगत द्वारा सनातन धर्म की आराध्य देवियों माँ लक्ष्मी,माँ दुर्गा व माँ सरस्वती तथा भगवान शंकर व भगवान विष्णु के बारे में भद्दी व अपमानजनक टिप्पणियों तथा बालिकाओं के बारे में हास्यास्पद बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कड़ा एतराज जताते हुए इसे भाजपा का असली चरित्र व असली चेहरा बताया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने हल्द्वानी में बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बंशीधर भगत के बयान को करोड़ों सनातनियों की भावनाओं पर कुठाराघात बताते हुए कहा कि बंशीधर के बयान माफी योग्य नहीं हैं क्योंकि उन्होंने यह भूल वश नहीं बल्कि होशोहवाश में पूरा वक्तव्य दिया और बार बार देवियों के नाम ले कर लक्ष्मी पटाओ, दुर्गा पटाओ सरस्वती पटाओ कहा और बालिकाओं पर भी व्यंग किया जो भाजपा की असली सोच प्रदर्शित करता है। धस्माना ने कहा कि बंशीधर ने प्रधानमंत्री मोदी के उस नारे को ही बदल दिया जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का आह्वान किया जाता है और अब बकौल बंशीधर वो नारा बेटी बचाओ बेटी पटाओ कर दिया गया है। धस्माना ने कहा कि इस बाबत भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को व स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वो बंशीधर के संशोधन से सहमत हैं और अगर नहीं हैं तो 24 घण्टे के अंदर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। धस्माना ने बंशीधर भगत के बयान को अंकिता भंडारी प्रकरण से जोड़ते हुए कहा कि अंकिता हत्या कांड में शामिल लोग भी उनकी ही राजनैतिक सोच की बिरादरी के हैं और आज तक सरकार या संघठन ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि अंकिता को जिस वीआईपी के लिए एक्स्ट्रा सर्विस देने के लिए मजबूर किया जा रहा था बो वीआईपी कौन था। सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि भाजपा सरकार इस प्रकरण से हुई छीछालेदर से बौखला कर अब अपनी सारी खुनस कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी के विरुद्ध झूठा मुकद्दमा कायम कर निकाल रही है। धस्माना ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी गरिमा के साथ चट्टान की तरह खड़ी है और अगर सरकार व पुलिस ने किसी भी प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्यवाही की तो कांग्रेस उसके विरुद्ध सड़कों पर मुकाबला करेगी। इस अवसर पर गरिमा दसौनी ने अपने ऊपर पुलिस द्वारा दर्ज किए मुकद्दमे को विपक्ष की आवाज़ दबाने का कुसित प्रयास बताया व कहा कि वे इस प्रकार की कार्यवाही से डरने वाली नहीं हैं। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी , प्रदेश महामंत्री विजय सारस्वत, लक्ष्मी अग्रवाल, दर्शन लाल, राजेश चमोली , सरदार अमरजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा